

प्रेषक,

सुशांत पटनायक

अपर सचिव

उत्तराखण्ड शासन.

सेवा में,

अपर प्रमुख वन संरक्षक

नियोजन एवं वित्तीय प्रबंधन

उत्तराखण्ड, देहरादून.

वन एवं पर्यावरण अनुभाग-2

देहरादून : दिनांक 14 दिसम्बर, 2010

विषय:- अनुदान सं0-27 के आयोजनागत पक्ष की केन्द्र पुरोनिधानित योजना "Accelerated Programme of Restoration and Regeneration of Forest Cover" हेतु वर्ष 2010-11 में वित्तीय स्वीकृति.

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या-नि0-520/3-6 दिनांक 07 अक्टूबर, 2010, पत्र संख्या-नि0-680/3-6 दिनांक 18 नवम्बर, 2010 एवं भारत सरकार के पत्र संख्या-F.No-44(11)PF-1/2009-727 दिनांक 19 मार्च, 2010, भारत सरकार के पत्र संख्या-6-1/2009-B-1, दिनांक 29 मार्च, 2010 भारत सरकार के पत्र संख्या-6-1/2009-B-1, दिनांक 15 सितम्बर, 2010 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वन विभाग के अन्तर्गत संचालित केन्द्र पुरोनिधानित योजना "Accelerated Programme of Restoration and Regeneration of Forest Cover" के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2009-10 के लिए स्वीकृत एवं वित्तीय वर्ष 2010-11 के पुनर्वध की गई धनराशि ₹ 4,10,00,000/- (₹ चार करोड़ दस लाख मात्र) की धनराशि निम्न शर्तों एवं प्रतिबंधों के अधीन व्यय करने हेतु आपके निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय किये जाने हेतु पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, भारत सरकार के अर्द्धशासकीय पत्र सं0-6-1/2009-बी-1 दिनांक 06 अक्टूबर, 2009 द्वारा दिये गये दिशा-निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन किया जायेगा.
2. उक्त धनराशि वर्णित योजना हेतु सक्षम स्तर से अनुमोदित कार्ययोजनान्तर्गत स्वीकृत कार्यों/मदों पर ही व्यय किया जाय और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग अन्य कार्यों के क्रियान्वयन के लिए न किया जाय। स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय उन्हीं कार्यों एवं मदों में उसी मात्रा में किया जाय, जो भारत सरकार द्वारा स्वीकृत हो एवं व्यय करते समय भारत सरकार द्वारा बताई गई शर्तों एवं निर्गत निदेशों की अनुपालन भी सुनिश्चित की जाय.
3. उक्त स्वीकृति व्यय चालू योजनाओं पर ही किया जाये और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नये कार्यों के क्रियान्वयन के लिए न किया जाय तथा विभिन्न मदों में व्यय से पूर्व वित्त अनुभाग-1 के शासनादेश सं0-187/XXVII(1)/2010, दिनांक 30 मार्च, 2010 द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुसार सक्षम स्तर की अनुमति/यथास्थिति शासन का अनुमोदन प्राप्त कर ही किया जाय. शासन द्वारा वांछित सूचनायें एवं विवरण निर्धारण प्रारूप व समयबद्ध आधार पर शासन को उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाय. किसी भी शासकीय व्यय हेतु वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1(वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम), वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1(लेखा नियम), आय-व्ययक सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल), उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति (प्रैक्टोरमेंट) नियमावली, 2008, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के शासनादेश तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय. निर्माण तथा अनुरक्षण कार्यों हेतु जिन मामलों में आगणन शासन से अनुमोदन आवश्यक होता है वहां ऐसे अनुमोदन प्राप्त कर लिया जाय.
4. यह संज्ञान में आया है कि धनराशि विभागाध्यक्षों के निवर्तन पर रखने के उपरान्त भी विभागाध्यक्षों द्वारा वह धनराशि आहरण वितरण अधिकारियों के निवर्तन पर नहीं रखी जाती है, जिससे क्षेत्रीय स्तर पर व्यय हेतु धनराशि उपलब्ध नहीं होती है. अतः आपके निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि आहरण वितरण अधिकारियों को तत्काल अवमुक्त कर दी जाय, जिससे की फील्ड स्तर पर बजट उपलब्ध न होने की स्थिति उत्पन्न न हो, परन्तु यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि धनराशि का आहरण वास्तविक मांग आधार पर किश्तों में किया जाय.
5. आहरण वितरण अधिकारियों तथा कोषाधिकारियों को अवमुक्त धनराशि का विवरण बी0एम0-17 पर प्रत्येक माह प्रशासनिक विभाग एवं वित्त विभाग को उपलब्ध कराया जाना आवश्यक एवं अनिवार्य होगा.
6. मितव्ययता के सम्बन्ध में नियमों का कड़ाई से पालन किया जाय.
7. अनुदान के अन्तर्गत होने वाली सम्भावित व्यय की फेजिंग (त्रैमास के आधार पर) प्रशासनिक विभाग एवं वित्त विभाग कराया जाना आवश्यक एवं अनिवार्य होगा, जिससे की राज्य स्तर पर कैश-फ्लो निर्धारित किये जाने में किसी प्रकार की कठिनाई उत्पन्न न हो.
8. बी0एम0-13 पर नियमित रूप से प्रशासकीय विभाग एवं वित्त विभाग को विलम्बतम 20 तारिख तक पूर्ण माह की सूचना उपलब्ध कराई जाय.

क्रमशः.....2

9. योजनाओं की विभिन्न मदों पर व्यय शासन के वर्तमान नियमों एवं आदेशों के अनुसार ही किया जाये तथा जहां आवश्यकता हो सक्षम अधिकारी/शासन की पूर्व सहमति/स्वीकृति ली जाय.
10. मानक मदों के आहरण प्रणाली के सम्बन्ध में शासनादेश सं०-ब-06/X-2-2010-12(11)/2009 दिनांक 31 मार्च, 2010 द्वारा दिये गये दिशा-निर्देशानुसार कार्यवाही की जायेगी.
11. स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र महालेखाकार एवं शासन के वित्त विभाग को वर्षान्त तक अवश्य उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाय.
12. जिन कार्यों/मदों हेतु भारत सरकार में स्वीकृति नहीं है एवं जहां स्वीकृत कार्यों/मदों में भारत सरकार द्वारा अनुमोदित राशि से अधिक स्वीकृति निर्गत हो गई हो उसमें सम्बन्धित उपलब्ध धनराशि तथा अप्रयुक्त धनराशि को समय से समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा.
13. विभागाध्यक्ष द्वारा वर्ष के प्रारम्भ में तथा हर माह की 10 तारीख तक वित्त एवं नियोजन विभाग को केन्द्र सहायतित/बाह्य सहायतित योजनाओं में अनुमोदित परिचय के सापेक्ष केन्द्रांश की धनराशि तथा केन्द्र सरकार से प्राप्त हुई धनराशि का विवरण उपलब्ध कराएंगे. उक्त सूचना के अभाव में वित्तीय अधिकारों पर रोक लगा दी जायेगी. केन्द्र सरकार से प्राप्त होने वाले अवशेष धनराशि का विवरण भी प्रतिमाह उपलब्ध कराया जायेगा.

2. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 के आय-व्यय अनुदान सं०-27 के लेखाशीर्षक 2406-वानिकी तथा वन्य जीवन 01-वानिकी 800-अन्य व्यय 01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनायें 0110-“रैस्टोरेशन एण्ड रिजनरेशन आफ फॉरेस्ट कवर” हेतु निम्नलिखित तालिका में अंकित विवरणानुसार संगत मदों के नामे डाला जायेगा:-

(धनराशि ₹ हजार में)			
क्र० सं०	लेखाशीर्षक/योजना का नाम/मानक मद	आय-व्यय प्रावधान (प्रथम अनुपूर्व अनुदान से प्राप्त)	वित्तीय स्वीकृति का प्रस्ताव
	2406-वानिकी तथा वन्य जीवन 01-वानिकी 800-अन्य 01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजना 0110-रैस्टोरेशन एण्ड रिजनरेशन आफ फॉरेस्ट कवर (एडिसनल सेन्ट्रल असिस्टेन्स ए०पी०आर०आर०ए०सी०)		
1	15-गाड़ियों का अनुरक्षण और पेट्रोल आदि की खरीद	600	600
2	24-वृहत निर्माण कार्य	18000	18000
3	25-लघु निर्माण कार्य	9400	9400
4	29-अनुरक्षण	13000	13000
	योग	41000	41000

(वर्तमान वित्तीय स्वीकृति ₹ चार करोड़ दस लाख मात्र)

3. ये आदेश वित्त विभाग के अ०शा०सं०-329(P)/XXVII(1)/2010, दिनांक 10 दिसम्बर, 2010 द्वारा प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं.

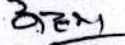
भवदीय

(सुशांत पटनायक)
अपर सचिव

संख्या-398 (1)/X-2-2010, तददिनांकत.

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार(लेखा एवं लेखा परीक्षा), उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर रोड, माजरा, देहरादून.
2. महालेखाकार(आडिट), उत्तराखण्ड, वैभव पैलस, सी-1/105, इन्दिरानगर, देहरादून.
3. प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड, देहरादून.
4. मुख्य वन संरक्षक, अनुश्रवण, मूल्यांकन तथा लेखा परीक्षा, उत्तराखण्ड, देहरादून.
5. मुख्य वन संरक्षक, सर्तकता एवं कानून प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड, देहरादून.
6. सचिव, नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून.
7. अपर सचिव, वित्त अनुभाग-4, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून.
8. आयुक्त, कुमाऊं/गढ़वाल मण्डल.
9. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड.
10. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, देहरादून.
11. सम्बन्धित मुख्य/वरिष्ठ/सम्बन्धित कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड.
12. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन, सचिवालय, देहरादून.
13. प्रभारी, एन.आई.सी., उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून.
14. प्रभारी, मीडिया सेन्टर, उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून.
15. गार्ड फाइल.

आज्ञा से,

(अहमद अली)
अनु सचिव